Self Respect

01-08-2014

✓बाप तुम बच्चों को समझाते हैं - यहाँ तुम भल देखते हो शरीर को परन्तु बुद्धि उस विचित्र को याद करने में रहती है । ऐसा कोई साधू सन्त नहीं होगा जो शरीर को देखते याद उस विचित्र को करे ।

✓आत्मा अविनाशी है, शरीर सिर्फ यहाँ पार्ट बजाने के लिए मिला है ।

✓यह तो सब कुछ खलास होना है । साथ में चलेगी सिर्फ अविनाशी कमाई । तुमको मालूम है, मनुष्य मरते हैं तो खाली हाथ जाते हैं । साथ में कुछ भी ले नहीं जायेंगे । तुम्हारे हाथ भरतू जायेंगे, इसको कहा जाता है सच्ची कमाई । यह सच्ची कमाई तुम्हारी होती है 21 जन्मों के लिए । बेहद का बाप ही सच्ची कमाई कराते हैं ।

✓अभी बाप तुम बच्चों को जो सिखलाते हैं वह सच ही सच है, इसमें झूठ की रत्ती नहीं । तुम सच खण्ड के मालिक बनते हो । यह है झूठ खण्ड ।

✓वह बाप भी है । तो बाप से जरूर वर्सा मिलना है । रचना को रचना से वर्सा नहीं मिलता । वर्सा रचयिता देंगे अपने बच्चों को । अपने बच्चे होते भाई के बच्चों को वर्सा देंगे क्या? यह भी बेहद का बाप अपने बेहद के बच्चों को वर्सा देते हैं

✓यह तो पढ़ाने वाला है विचित्र । तुम भी आत्मायें विचित्र हो । बाप कहते हैं मैं आत्माओं को पढ़ाता हूँ ।

- ✓सतगुरू तो एक ही है सच बोलने वाला । वही बाप भी है, टीचर भी है, सतगुरू भी है । बाप कहते हैं - यह मातायें ही स्वर्ग का द्वार खोलने वाली हैं । लिखा हुआ भी है - गेट वे टू हेविन । परन्तु यह भी मनुष्य समझ थोड़ेही सकते हैं ।

- ✓तुम तो बाप से वर्सा लेते हो । आयु कितनी बड़ी हो जाती है । अभी हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस सब दे देते हैं । वह तो लक्ष्मी से सिर्फ ठिकरिया मांगते हैं, वह भी मिलती थोड़ेही हैं । यह एक आदत पड़ गई है । देवताओं के आगे जायेंगे भीख मांगने ।

- ✓तुमको तो बाप कहते हैं मामेकम् याद करने से मालिक बन जायेंगे और सृष्टि चक्र को जानने से चक्रवर्ती राजा बन जायेंगे ।
- ✓अभी तुम इनकी पूजा करेंगे क्या! तुम जानते हो हम खुद ही यह बनते हैं फिर इन 5 तत्वों की क्या पूजा करेंगे । हमको विश्व की बादशाही मिलती है तो यह क्या करेंगे । अभी तुम मन्दिर आदि में नहीं जायेंगे । बाप कहते हैं यह सब भक्ति मार्ग की सामग्री है । ज्ञान में तो है एक अक्षर - मामेकम् याद करो । बस याद से तुम्हारे पाप कट जायेंगे, सतोप्रधान बन जायेंगे । तुम ही सर्वगुण सम्पन्न थे फिर बनना पड़े ।

✓बाप खुद कहते हैं मैं इनके बहुत जन्मों के अन्त में प्रवेश करता हूँ जो सबसे पतित बना है, फिर पावन भी वही बनेंगे । 84 जन्म इसने लिए हैं, ततत्वम । एक तो नहीं, बहुत हैं ना । सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी बनने वाले ही यहाँ आते हैं नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार । बाकी ठहर नहीं सकेंगे । देरी से आने वाले ज्ञान भी थोड़ा सुनेंगे । फिर देरी से ही आयेंगे ।

✓वरदान: समय के महत्व को जान फास्ट सो फर्स्ट आने वाले तीव्र गति के पुरुषार्थी भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |